पूर्वांचल में पर्यटन के बड़े केंद्र के रूप में विकसित हो रही गोरक्षनगरी

राष्ट्रीय पर्यटन दिवस : योगानंद की जन्मस्थली और गौरव संग्रहालय सहित विभिन्न पर्यटन स्थल हो रहे विकसित

गिरीश चौबे

गोरखपुर। गुरु गोरक्षनाथ की नगरी होने के साथ ही अब गोरखपुर की पहचान पर्यटन स्थली के रूप में भी होने लगी है। कभी वीरान रहने वाला रामगढ़ताल आज पर्यटन का प्रमुख केंद्र बन चुका है, जहां दूर-दराज से लोग इसकी खूबसूरती का आनंद लेने आते हैं। इसी के साथ गौरव संग्रहालय, योगानंद की जन्मस्थली सहित दर्जनों पर्यटन स्थल विकसित हो रहे हैं, आने वाले कुछ वर्षों में यह पूर्वांचल के सबसे बड़े पर्यटन केंद्र के रूप में पहचान बनाएगा।

कैंट थाने के पीछे भारत सेवा संघ परिसर में स्थित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सचिंद्र नाथ सान्याल की स्मृति स्थल को भी पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। काम अंतिम चरण में है। इसके अलावा असुरन स्थित विष्णु मंदिर को भी और भव्य रूप दिया जा रहा है। इन सबका मकसद है कि गोरखपुर आने वालों को घूमने के लिए और अधिक विकल्प मिले।

योगानंद जन्मस्थली पर बनेगा योग भवन : परमहंस योगानंद की जन्मस्थली पर उनकी बचपन की यादें संजोने की तैयारी पूरी हो चुकी है। कोतवाली से सटे एक संकरी गली में उनके जन्मस्थान की भूमि का अधिग्रहण कर लिया गया है। वहां योग भवन के निर्माण का खाका तैयार हो चुका है। भूमि तल सहित चार तल के भवन निर्माण के लिए 31 करोड़ रुपये का बजट भी शासन ने मंजूर कर लिया है। फरवरी के पहले सप्ताह से निर्माण कार्य शुरू करा देने की पर्यटन विभाग की तैयारी है। भवन निर्माण की कार्ययोजना के मुताबिक जन्मस्थली पर बनाए जाने वाले चार मंजिला भवन की हर मंजिल पर अलग-अलग तरीके से योगानंद की यादें संजोयी जाएंगी। भूमि तल के बाहरी हिस्से में एक लॉन विकसित किया जाएगा, जिसमें योगानंद की भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी।

गोरखपुर का गौरव बताएगा गौरव संग्रहालय : पर्यटन विभाग द्वारा सिविल लाइंस क्षेत्र में गौरव संग्रहालय बनवाया जा रहा है। लोगों को जल्द एक और पर्यटन स्थल मिलेगा। इसका काम तेजी से चल रहा है।

रामगढ़ताल की खूबसूरती देखने दूर-दूर से पहुंचते हैं लोग। संवाद

गौरव संग्रहालय। अमर उजाला ब्यूरो

योग भवन। संवाद

गोरखपुर पर्यटनस्थल के रूप में विकसित हो रहा है। पर्यटन विकास के कई कार्य कराए जा रहे हैं। आने वाले दिनों में यहां पर्यटकों की संख्या में इजाफा होने की उम्मीद है।
-रवींद्र कुमार मिश्र, उप निदेशक, क्षेत्रीय पर्यटन विभाग

रामगढ़ताल की तरह खूबसूरत दिखेगा चिलुआताल

रामगढ़ताल की तरह चिलुआताल पर भी पक्का घाट बनाया जाएगा। इससे शहर के उत्तरी छोर पर भी लोग रामगढ़ताल की तरह आनंद ले सकेंगे। इसके लिए 20 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। शासन से अब तक 15.99 करोड़ मिल चुके हैं। काम शुरू हो चुका है। जल्द ही इसे पूरा कराने की भी योजना है। यहां 560 मीटर लंबे घाट, गजेबिया, शौचालय, बैठने के लिए बेंच बन रहे हैं। इसके सुंदरीकरण के बाद यह पर्यटन का नया ठिकाना बन जाएगा। यहां लोग सुबह-शाम सैर करने के साथ चाय की चुस्कियां लेने के साथ खूबसूरत वादियों का भी आनंद ले सकेंगे। साथ ही इससे रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा।